रिपोर्ट समारोह -5

विपेश भाषण : जम्मू-कश्मीर में पंजाबी भाषा और साहित्य: दशा और दिशा

(21 दिसंबर 2021)

जम्मू-कश्मीर में पंजाबी भाषा और साहित्य दशा और दिशा पर विपेश भाषण करवाया गया। इसमें मुख्य वक्ता की भूमिका स. पोर्पिंदर सिंह पारस, संपादक शीराजा, यू.जी.सी केयर लिस्ट पत्रिका रहे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पंजाबीभाषा और साहित्य की दशा और दिशा पर अपने विचार पेश किए। इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि डा मनोज सेक्स्सेना (कोऑर्डिनेटर धोलाधार परिसर -1) हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा बृहस्पति मिश्र जी ने की। इस कार्यक्रम में भाषा संकया के लगभग 60 लोगों ने भाग लिया।

अध्यक्ष
अध्यक्ष, पंजाबी एवं डोगरी विभाग
Head, Department of Punjabi & Dogri
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
धौलाधार परिसर-1, धर्मशाला-176215
Dhauladhar Parisar-1 Dharamshala-176215

5 समारोह

21/12/2021 केन्द्रीय विश्वविध्यालय हिमाचल प्रदेश के पंजबी एव डोगरी विभाग की साहित सभा द्वारा एक सेमीनार करवाया गया जिस में शिराजा मेगज़ीन के संपादक मुख वक्ता के रूप में बुलाए थे।

शोध पत्र पूरी मेहनत से तैयार करना चाहिए : पारस

धर्मशाला : सी.यू. में विशेष व्याख्यान के दौरान उपस्थित गण्यमान्य। (ब्यूरो)

धर्मशाला, 22 दिसम्बर (नवीन): हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की पंजाबी साहित्य सभा की ओर से यू.जी.सी. केयर लिस्ट शीराजा मैगजीन के संपादक पोपिंदर सिंह पारस का एक विशेष व्याख्यान करवाया गया। इस व्याख्यान का विषय जम्मू-कश्मीर में पंजाबी भाषा और साहित्य था। मुख्य वक्ता डा. पोपिंद्र सिंह पारस ने कहा कि जम्मू-कश्मीर आर्ट, कल्चर और भाषा अकादमी द्वारा शीराजा मैगजीन को 8 भाषाओं में निकाला जाता है। यू.जी.सी. द्वारा शीराजा को मान्यता दी गई है। उन्होंने पंजाबी, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के शोधार्थियों को कहा कि अगर वे चाहते हैं कि उनके शोध पत्र किसी यू.जी.सी. केयर लिस्ट जर्नल में छपें तो उन्हें अपने शोध पत्र पूरी मेहनत से तैयार करने चाहिए।

केंद्रीय विश्वविद्यालय के पंजाबी एवं डोगरी विभाग ने किया एक विशेष व्याख्यान का आयोजन

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की पंजाबी साहित्य सभा की ओर से यूजीसी केयर लिस्ट शीराजा मैगजीन के संपादक पोपिंदर सिंह पारस जी का एक विशेष व्याख्यान करवाया गया। इस व्याख्यान का विषय जम्मू कश्मीर में पंजाबी भाषा और साहित्य था। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत और वैदिक मंगलाचरण से की गई। इस उपरांत पंजाबी और डोगरी विभाग के डॉ. नरेश कुमार ने सब मेहमानों का स्वागत किया। इस उपरांत मुख्य वक्ता डॉ. पोपेंद्र सिंह पारस ने कहा कि जम्मू कश्मीर आर्टए कल्चर और भाषा अकादमीद्वारा शीराजा मैगजीन को 8 भाषाओं में निकाला जाता है। इन भाषाओं में पंजाबीए डोगरीए पहाड़ीए संस्कृतए अंग्रेजी और उर्दू, फारसी भाषाएं शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यूजीसी द्वारा शीराजा को मान्यता दी गई है। उन्होंने पंजाबी, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के शोधार्थियों को कहा कि अगर वह चाहते हैं कि उनके शोध पत्र किसी यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल में छपें, तो उन्हें अपने शोध पत्र पूरी मेहनत से तैयार करने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जम्मू कश्मीर में पंजाबी बोलने वालों की बहुत गिनती है और स्कूलों, कालेजों में पढ़ाई जाती है। इसी तरह ही पंजाबी में भी जम्मू कश्मीर का विशेष योगदान है। भाषा संकाय के प्रमुख डॉ. बृहस्पति मिश्र, जो पंजाबी विभाग के विभागाध्यक्ष भी हैंए उन्होंने भी संबोधित करते हुए कहा कि शोधार्थियों को विभिन्न पत्रिकाओं से जुड़ना चाहिए। इस कार्यक्रम में मुख्य मेहमान प्रो. मनोज सक्सेना, समन्वय धौलाधार परिसर 1 थे। उन्होंने कहा कि शोधार्थियों को अपने विषय का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए और उनको अपने शोध निदेशक के साथ और विमर्श कर ही शोध पत्र की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। उन्होंने विशेष तौर पर पोपिंदर पारस जी का धन्यवाद किया, जोकि समय निकालकर इस गोष्ठी में शामिल हुए थे। इस उपरांत पंजाबी और डोगरी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. हरजिंदर सिंह ने सबका धन्यवाद किया।

सीयू के पंजाबी व डोगरी विभाग ने किया विशेष व्याख्यान का आयोजन

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के पंजाबी और डोगरी विभाग की पंजाबी साहित्य सभा की ओर से यूजीसी केयर लिस्ट शीराजा मैगजीन के संपादक पोपिंदर सिंह पारस का एक विशेष व्याख्यान करवाया गया। इस व्याख्यान का विषय जम्मू-कश्मीर में पंजाबी भाषा और साहित्य था। कार्यक्रम की शुरुआत संस्कृत और वैदिक मंगलाचरण से की गई। इस उपरांत पंजाबी और डोगरी विभाग के डॉ. नरेश कुमार ने सब मेहमानों का स्वागत किया। इस उपरांत मुख्य वक्ता डॉ. पोपेंद्र सिंह पारस ने कहा कि जम्मू-कश्मीर आर्ट, कल्चर और भाषा अकादमीद्वारा शीराजा मैगजीन को 8 भाषाओं में निकाला जाता है। इन भाषाओं में पंजाबी, डोगरी, पहाड़ी, संस्कृत, अंग्रेजी और उर्दू फारसी भाषाएं शामिल है। उन्होंने बताया कि यूजीसी द्वारा शीराजा को मान्यता दी गई है। उन्होंने पंजाबी, हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के शोधार्थियों को कहा कि अगर वह चाहते हैं कि उनके शोध पत्र किसी यूजीसी केयर लिस्ट जर्नल में छपें, तो उन्हें अपने शोध पत्र पूरी मेहनत से तैयार करने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में पंजाबी बोलने वालों की बहुत गिनती है और स्कूलों कॉलेजों में पढ़ाई जाती है। इसी तरह ही पंजाबी में भी जम्मू-कश्मीर का विशेष योगदान है।